

1. प्रश्न - कर्मवीर कथा पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर - कर्मवीर पाठ से हमें शिक्षा मिलती है, कि गाँव में रहने वाले दलित एवं निर्धन छात्र भी मेहनत के बल पर सर्वोच्च शिखर पर पहुँच सकते हैं। अतः हमें उत्साह और लगन से किसी लक्ष्य के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने होंगे तथा सभी कठिनाइयों को सहन कर कार्य करने से सफलता के उच्च स्तर को प्राप्त कर सकते हैं।

2. प्रश्न - कर्मवीर पाठ के माध्यम से लेखक हमें क्या कहना चाहता है?

उत्तर - कर्मवीर पाठ के माध्यम से लेखक कहना चाहता है, कि सर्व-श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने के लिए धनी तथा उच्च वर्ग में जन्म लेना आवश्यक नहीं है। गाँव में रहने वाले दलित एवं निर्धन छात्र भी मेहनत के बल पर रामप्रवेश राम की तरह सर्वोच्च शिखर पर पहुँच सकते हैं। लगन, उत्साह और धर्म से मनुष्य किसी भी कठिनाई पर विजय प्राप्त कर सकता है।

3. कर्मवीर कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर - बिहार राज्य के दुर्गम क्षेत्र में एक सुविधाविहीन गाँव भीखन के है, जहाँ दलित, निर्धन बालक रामप्रवेश राम रहता था। संयोग से उस गाँव में नवीन दृष्टि स्वयंसेवक एवं सामाजिक समतामूलक शिक्षक आए तथा रामप्रवेश राम को पढ़ने के लिए प्रेरित किए। दलित बालक उस शिक्षक से प्रेरित होकर अपने लगन, परिश्रम तथा जिज्ञासा के बल पर सभी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किए। केंद्रीय प्रशासनिक सेवा में भी प्रथम पद एवं प्रतिष्ठा प्राप्त किए। इस प्रकार इस कथा से स्पष्ट होता है कि सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए धनी और उच्च वर्ग में जन्म लेने की आवश्यकता नहीं है।

4. प्रश्न - भीखन टोला कैसा गाँव है?

उत्तर - भीखन टोला बिहार राज्य के एक दुर्गम क्षेत्र में अवस्थित है। यहाँ लोग भ्रामः निर्धन और अशिक्षित हैं। यहाँ के निवासी कष्टमय जीवन बिताते हैं। कुछ अल्पत्र निर्धन परिवार गाँव के बाहर टूटी-फूटी झोपड़ियों में रहते हैं। भीखन टोला से लगभग एक कोस की दूरी पर एक प्राथमिक विद्यालय है।

5. प्रश्न - रामप्रवेश राम की जीवनी पर प्रकाश डालें।

उत्तर - रामप्रवेश राम एक दलित परन्तु लगनशील और परिश्रमी बालक थे। वे ऐसे गाँव में जन्म लिए जहाँ के निर्धन अशिक्षित एवं कष्टमय जीवन बिताते हैं। वे शिक्षक के स्नेह पाकर धनभाव के बीच भी अपना अध्ययन जारी रखा तथा

देज २

विद्यालय एवं महाविद्यालयों की परीक्षा में प्रथम स्थान को प्राप्त किए।
केन्द्रीय लोक सेवा की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर वे समाज के समस्त आदर्श प्रस्तुत
किए। उनकी प्रशासकीय क्षमता और संकट काल में निर्णय लेने में समर्थ
आदि गुणों के कारण सभी आकर्षित होते हैं।

एकपद में उत्तर दें -

- (क) कर्मवीर: कः अस्ति? उत्तर- रामप्रवेशराम।
- (ख) बिहार प्रात्रस्य दुर्गमग्रामे प्रात्ररे कः ग्रामः अस्ति? उत्तर- भीखन टोला
- (ग) 'भीखन टोला' ग्रामे शिक्षकः कं दृष्टवान्? उत्तर- बालकम्
- (घ) कर्मवीरः रामप्रवेशः कुत्र उन्नतं स्थानं प्राप्नोति? उत्तर- केन्द्रीय लोकसेवायाम्
- (ङ.) केन कर्मवीरः उन्नतं स्थानमवाप? उत्तर- व्यापक विषयज्ञानेन
- (च) रामप्रवेशस्य ग्रामस्य नाम किम् अस्ति? उत्तर- भीखन टोला
- (छ) भीखन टोला द्रष्टुं कः आगतः? उत्तर- शिक्षकः
- (ज) बालकः कस्य शिक्षणार्थमाकृष्टः? उत्तर- शिक्षकस्य
- (झ) स्नातकपरीक्षामां प्रथमस्थानं प्राप्य कस्य ज्ञाननिमग्नमयम्? उत्तर- महाविद्यालयस्य
- (ञ) उद्योगिनं पुरुषसिंहं का उपैति? उत्तर- लक्ष्मी
- (ट) भीखन टोला ग्राम कुत्र अस्ति? उत्तर- बिहारराज्यस्य
- (ठ) प्राथमिक विद्यालय कीदृशः शिक्षकः आगतः? उत्तर- सामाजिक समरस रसिकः
- (ड) शिक्षकः कं शिष्यमुत्तरयति? उत्तर- बालकम्
- (ढ) कस्य अर्थभावेऽपि रामप्रवेशः महाविद्यालये प्रवेशप्रयत्नम्? उत्तर- पितामहः
- (ण) साक्षात्कारे समिति सदस्याः किमर्थं प्रीताः अभवन्? उत्तर- व्यापक विषयज्ञानेन
- (न) रामप्रवेशस्य प्रतिष्ठा कुत्र कुत्र दृश्यते? उत्तर- स्वप्राप्तिकेन्द्रप्रदेशे
- (य) लक्ष्मीः कीदृशं जनम् उपैति? उत्तर- उद्योगिनः